आजादी का अमृत महोत्सव

युवा लेखकों के लिए प्रधानमंत्री की मेंटरशिप योजना

युवा – YUVA – (युवा, उदीयमान और प्रतिभाशाली लेखक)

"मैं अपने युवा मित्रों का आह्वान करता हूँ कि वे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों, उनसे जुड़ी घटनाओं और अपने क्षेत्रों से स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनकी वीरता की गाथाओं के बारे में लिखें।"

- नरेंद्र मोदी, **प्रधानमंत्री**

31 जनवरी 2021, मन की बात

परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में युवा-मानस के सशक्तीकरण और एक सीखने वाला इको-सिस्टम बनाने पर जोर दिया गया है जो युवा पाठकों/शिक्षार्थियों को भविष्य की दुनिया में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए तैयार कर सके। इस संदर्भ में, युवा लेखकों की पीढ़ियों को मार्गदर्शन देने की यह राष्ट्रीय योजना रचनात्मक दुनिया में भविष्य के नेताओं की नींव रखने में बहुत ही अहम भूमिका निभाएगी। यह राष्ट्रीय स्तर की योजना के लिए बिलकुल नई अवधारणा है।

इस योजना की परिकल्पना इस आधार पर की गई है कि इक्कीसवीं सदी के भारत को, युवा लेखकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करने की आवश्यकता है, जिसे भारतीय साहित्य का राजदूत बनाया जा सके। इस तथ्य के आलोक में कि हमारा देश पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है और हमारे पास स्वदेशी साहित्य का बहुमूल्य खजाना है, भारत को इसे वैश्विक मंच पर अवश्य रेखांकित करना चाहिए।

भारत युवा-जनसंख्या हिस्सेदारी में कुल आबादी का 65% होने से युवा-आबादी में चार्ट में सबसे ऊपर है, जो क्षमता-निर्माण के सदुपयोग और इसके द्वारा राष्ट्र-निर्माण के लिए प्रतीक्षा कर रहा है। युवा रचनात्मक लेखकों की एक नई पीढ़ी को मार्गदर्शन देने के स्पष्ट उद्देश्य के साथ, प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय स्तर के दूरदर्शी महत्वपूर्ण कार्यक्रम अर्थात **एक भारत श्रेष्ठ भारत** के तहत, उच्चतम स्तर पर पहल करने की आसन्न आवश्यकता है।

यह योजना लेखकों का एक वर्ग विकसित करने में मदद करेगी जो भारतीय विरासत, संस्कृति और ज्ञान-प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए विविधवर्णी विषयों पर लिख सकते हैं। इसके अलावा, यह योजना इच्छुक युवाओं को अपनी मातृभाषा में स्वयं को व्यक्त कर सकने और वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक वातायन भी प्रदान करेगी।

ध्यानाकर्षण क्षेत्र

यह योजना अज्ञात नायकों, अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और विस्मृत स्थानों तथा राष्ट्रीय आंदोलन एवं अन्य संबंधित विषयों में उनकी भूमिका जैसे विषयों पर लेखकों की युवा पीढ़ी के दृष्टिकोण को एक नवाचारी एवं रचनात्मक तरीके से सामने लाने के लिए इंडिया @75 परियोजना का हिस्सा है।

संकल्पना

यह योजना एक ज्ञान-आधारित समाज के लिए सामाजिक निवेश होगी, जो युवा रचनात्मक दिमागों के बीच साहित्य और भाषा की सराहना के विचार को परिमार्जित करेगी। युवा लेखकों के रचनात्मक कौशल के मार्गदर्शन के माध्यम से यह योजना उन्हें सांस्कृतिक और साहित्यिक दृष्टिकोण के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

उन्हें भविष्य के लेखक और रचनात्मक नेतृत्वकारी के तौर पर तैयार करते हुए, यह योजना संचित प्राचीन भारतीय ज्ञान की समृद्ध विरासत को केंद्र में लाने को सुनिश्चित करेगी।

प्रस्ताव

युवा लेखकों के मेंटरशिप/मार्गदर्शन का यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के **'वैश्विक नागरिक'** के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसे देश में पढ़ने, लिखने एवं पुस्तक संस्कृति, और भारत तथा भारतीय लेखन को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के लिए, **30 साल से कम उम्र के युवा और नवोदित लेखकों को प्रशिक्षित करने के लिए,** शुरू करने की आवश्यकता है।

कार्यान्वयन और निष्पादन

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (एनबीटी) (पुस्तक प्रोन्नयन प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन) कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में मेंटरशिप/मार्गदर्शन के सुपरिभाषित चरणों के तहत योजना के चरणबद्ध निष्पादन को सुनिश्चित करेगा।

युवा लेखकों की चयन-प्रक्रिया

* https://www-nbtindia-gov-in/ के माध्यम से आयोजित की जाने वाली अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 75 लेखकों का चयन किया जाएगा।
* चयन एनबीटी द्वारा गठित एक समिति द्वारा किया जाएगा।
* योजना 29 मई 2021 को शुरू की गई है।
* प्रतियोगिता की अवधि 1 जून –31 जुलाई 2021 होगी।
* प्रतियोगियों को परामर्श/मार्गदर्शन (मेंटरशिप) योजना के तहत एक उचित पुस्तक के रूप में विकसित करने के लिए उनकी उपयुक्तता का आकलन करने के लिए 5000 शब्दों की एक पांडुलिपि जमा करने के लिए कहा जाएगा।
* चयनित लेखकों के नामों की घोषणा 15 अगस्त, 2021 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर की जाएगी।
* मेंटरशिप के आधार पर, चयनित लेखक नामांकित सलाहकारों/मेंटर्स के मार्गनिर्देशन में अंतिम चयन के लिए पांडुलिपियाँ तैयार करेंगे, और विजेताओं की प्रविष्टियाँ 15 दिसंबर, 2021 तक प्रकाशन के लिए तैयार की जाएँगी।
* प्रकाशित पुस्तकों का लोकार्पण 12 जनवरी, 2022 को युवा दिवस या राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर किया जा सकता है।

चरण। प्रशिक्षण (3 महीने)

* राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत चयनित उम्मीदवारों के लिए दो सप्ताह के लेखकों का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित करेगा।
* इस दौरान युवा लेखकों को एनबीटी के निपुण लेखकों और रचनाकार के पैनल से दो प्रख्यात लेखकों/मार्गदर्शकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।
* इसके अलावा, विभिन्न भाषाओं के एनबीटी के सलाहकार समिति के तहत प्रख्यात लेखक/मार्गदर्शक उन्हें अपने साहित्यिक कौशल का अभ्यास करने के तरीके के बारे में सलाह और मार्गदर्शन देंगे।
* दो सप्ताह के लेखकों के ऑनलाइन कार्यक्रम के पूरा होने के बाद, लेखकों को भारत के विभिन्न राज्यों में एनबीटी द्वारा आयोजित विभिन्न ऑनलाइन/ऑन-साइट पर राष्ट्रीय शिविरों में दो सप्ताह के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि उन्हें राज्यों के विभिन्न साहित्यिक संस्कृतियों का समृद्ध अनुभव दिया जा सके।
* यह योजना 2021–2022 के दौरान विशेष रूप से वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर शुरू की जाएगी।
* प्रकाशन के इको-सिस्टम (पारिस्थितिकी तंत्र) – एक सामग्री कैसे बनाई जाती है, लेखकों का कैसे मार्गदर्शन किया जाता है, संपादकीय प्रक्रियाएँ कैसे संपन्न होती हैं, साहित्यिक एजेंट कैसे अपनी रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं, ये कार्यक्रम को अभिन्न पहलू होंगे।

चरण II – प्रोत्साहन (3 महीने)

- लेखकों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों, जैसे-साहित्यिक उत्सवों, पुस्तक मेलों, आभासी पुस्तक मेलों, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों आदि में संवाद के माध्यम से अपनी समझ का विस्तार करने और अपने कौशल को निखारने का अवसर मिलेगा।
- साहित्यिक उत्सवों में, अन्य युवा लेखकों के साथ-साथ उद्योग के पेशेवरों के साथ जुड़ने से प्राप्त होने वाला ज्ञान उन्हें अपने क्षितिज को व्यापक बनाने में काम आएगा।
- प्रशिक्षण और मेंटरशिप के अंत में **एक समेकित छात्रवृत्ति, मेंटरशिप योजना के तहत प्रति लेखक, छह महीने की अवधि के लिए, रुपये 50,000 प्रति माह (50,000 × 6 = रुपये 3 लाख) का भुगतान किया जाएगा।** मेंटरशिप प्रोग्राम के परिणाम के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा युवा लेखकों द्वारा लिखित एक पुस्तक या पुस्तकों की एक शृंखला प्रकाशित की जाएगी।
- **मेंटरशिप प्रोग्राम के अंत में लेखकों को उनकी पुस्तकों के सफल प्रकाशन पर 10% की रॉयल्टी देय होगी।**
- इस प्रकार प्रकाशित उनकी पुस्तकों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा, जिससे भारत के विभिन्न राज्यों के बीच संस्कृति और साहित्य का आदान-प्रदान सुनिश्चित होगा और इस तरह **एक भारत श्रेष्ठ भारत** की भावना को बढ़ावा मिलेगा।
- उन्हें अपनी पुस्तकों को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय स्तर पर पढ़ने और लिखने की संस्कृति का प्रचार करने के लिए एक मंच भी दिया जाएगा।

योजना का परिणाम

यह योजना भारतीय भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेजी में लेखकों का एक सेतु बनाना सुनिश्चित करेगी जो स्वयं को अभिव्यक्त करने और भारत को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रक्षेपित करने के लिए तैयार हैं; साथ ही, यह भारतीय संस्कृति और साहित्य को विश्व स्तर पर प्रस्तुत

करने में मदद करेगी। इस तरह प्रशिक्षित युवा लेखक कथा, कथेतर, यात्रा वृत्तांत, संस्मरण, नाटक, कविता आदि विभिन्न विधाओं के लेखन में दक्ष होंगे।

यह नौकरी के अन्य विकल्पों के साथ पढ़ने और लेखन को पसंदीदा पेशे के रूप में लाना सुनिश्चित करेगी, जिससे भारत के युवा पढ़ने और ज्ञानार्जन को आने वाले वर्षों में अपने को तैयार करने का एक अभिन्न अंग बना लेंगे। इसके अलावा, यह युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर हाल के महामारी के असर और प्रभाव को देखते हुए उनके दिमाग में सकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव लाएगी।

भारत दुनिया में पुस्तकों का तीसरा सबसे बड़ा प्रकाशक होने के नाते, यह योजना राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए लेखकों की नई पीढ़ी लाकर भारतीय प्रकाशन उद्योग को प्रोत्साहन देगी।

इस प्रकार यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के **वैश्विक नागरिक** और **एक भारत श्रेष्ठ भारत** के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा और भारत को **विश्व गुरु** के रूप में स्थापित करेगा।